"प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों को गणित अध्यापन में होने वाली समस्याओं का अध्ययन"

बरकत्तउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल की
एम.एड्. (प्रारम्भिक शिक्षा) की
आंशिक सम्पूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघु शोध प्रबन्ध

2005-2006

शोधकर्ता :

गोयाणी सुनील
एम.एड्. छात्र
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल (म.प्र.)

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (N.C.E.R.T.)
श्यामला हिल्स, भोपाल (म.प्र.)

"प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों को गणित अध्यापन में होने वाली समस्याओं का अध्ययन"

D-220

बरकत्तउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल की
एम.एड्. (प्रारम्भिक शिक्षा) की
आंशिक सम्पूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघु शोध प्रबन्ध

2005-2006

शोधकर्ता :

गोयाणी सुनील
एम.एड्. छात्र
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल (म.प्र.)

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (N.C.E.R.T.)
श्यामला हिल्स, भोपाल (म.प्र.)

प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि **गोवाणी सुनील** क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (एन.सी.ई.आर.टी.) भोपाल में एम.एड. (प्राथमिक शिक्षा) के नियमित छात्र है इन्होंने बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय भोपाल से शिक्षा में स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त करने हेतु प्रस्तुत लघु शोध विषय प्रबंध **"प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों को गणित अध्यापन में होने वाली समस्याओं का अध्ययन"** मेरे मार्गदर्शन में पूर्ण किया है यह शोध कार्य इनकी निष्ठा एवं लगन से किया गया मौलिक प्रयास है, जो पूर्व में इस आशय से विश्वविद्यालय में प्रस्तुत नहीं किया गया है।

प्रस्तुत लघुशोध प्रबंध बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय की एम.एड्. (प्राथमिक शिक्षा) परीक्षा सन् २००५-२००६ की आंशिक सम्पूर्ति हेतु प्रस्तुत है।

निर्देशक:

स्थान : भोपाल

दिनांक 3.4.06

डॉ. यू. लक्ष्मीनारायण
प्रवाचक, शिक्षा विभाग
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (एन.सी.ई.आर.टी.)
भोपाल (म.प्र.)

आभार- ज्ञापन

प्रस्तुत लघुशोध प्रबंध की सम्पन्नता का सम्पूर्ण श्रेय मेरे, मार्गदर्शक श्रद्धेय डॉ.यू. लक्ष्मीनारायण (प्रवाचक) क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल को है, जिन्होंने निरंतर उचित परामर्श, पर्याप्त निर्देश तथा अनवरत् प्रोत्साहन देकर शोधकार्य पूर्ण करने में अमूल्य सहयोग प्रदान किया है। प्रस्तुत लघुशोध प्रबन्ध आपके द्वारा शोधकार्य में धैर्यपूर्वक प्रदत्त आत्मीय व्यवहार एवं अविस्मरणीय बात्सल्य पूर्ण सहयोग का प्रतिफल है, जिन्होंने मुझे स्वयं के बहुमूल्य समय में से एक अध्यापक, अभिभावक तथा निर्देशक के रूप में पर्याप्त समय दिया है, अतएव में उनका ऋणी हूँ।

मैं, अपने आदरणीय प्रो. एम.सेन गुप्त, प्राचार्य, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल तथा अधिष्ठाता प्रो. बी.जी. जाधव एवं विभागाध्यक्ष डॉ. एस. के गुप्ता के स्नेहपूर्ण व्यवहार, सहयोग तथा आशीर्वाद हेतु हृदय से आभारी हूँ। एम.एड्. प्रभारी डॉ.के. एस. शर्मा एवं डॉ.के.के. खरे का भी आभारी हूँ। डॉ.बी.के. सुब्रमनियम का भी आभारी हूँ , जिन्होंने उपकरण बनाने में सहयोग दिया। मैं पुस्तकालय अध्यक्ष श्री पी.के. त्रिपाठी तथा सहयोगियों हेतु हृदय से धन्यवाद देना चाहूँगा।

मैं, मेरे करीबी मित्र तथा सहपाठी माथुकीया शैलेष, गराला विराग, भुपेन्द्र सोंलकी, संतोष कुर्रे, पारगी रमेंश, वेनू वर्मा, रश्मि मिश्रा, शिल्पा त्रिवेदी, सीमा पाठक तथा सहपाठियों के प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष रूप से शोधकार्य के दौरान सहयोग के लिए आभारी हूँ। अपने आदरणीय माता-पिता, भाई-बहन तथा परिवार के शुभचिन्तकों का जीवन पर्यन्त चिरऋणी रहूँगा, जिन्होंने मेंरे अध्ययन में महत्वकांक्षा की पूर्ति हेतु तन, मन धन से सहयोग तथा अशीर्वाद दिया है।

गौयाणी सुनील
एम.एड. छात्र
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (एन.सी.ई.आर.टी.)
भोपाल (म.प्र.)

स्थान : भोपाल
दिनांक...31/1/06.....

अनुक्रमणिका

अध्याय	विवरण	पृष्ठ संख्या
प्रथमः	शोध– परिचय	1–11
	1.1 प्रस्तावना	
	1.2 शिक्षक की भूमिका	
	1.3 विभिन्न शिक्षा आयोगों ने शिक्षकों की स्थिति के बारे में विचार।	
	1.4 पाठ्यक्रय में गणित का स्थान	
	1.5 गणित शिक्षक	
	1.6 प्राथिमक स्तर पर गणित शिक्षण के उद्देश्य	
	1.7 प्रस्तुत शोध कार्य	
	1.8 अध्ययन की आवश्यकता एवं महत्व	
	1.9 समस्या कथन	
	1.10 शोध के चर	
	1.11 शोध के उद्देश्य	
	1.12 शोध की शून्य परिकल्पनाएँ	
	1.13 शोध समस्या की सीमायें	
द्वितीयः	संबंधित साहित्य का पुनरावलोकन	12–17
	2.1 प्रस्तावना	
	2.2 संबंधित साहित्य का पुनरावलोकन	
	2.3 शोध से संबंधित साहित्व	
तृतीयः	शोध समस्या प्रविधि एवं प्रक्रिया	18–27
	3.1 प्रस्तावना	
	3.2 शोध प्रक्रिया	
	3.3 शोध डिजाइन	
	3.4 न्यादर्श का चयन	
	3.5 शोध में प्रयुक्त चर	

3.6 शोध में प्रयुक्त चरों का स्तर या समूह

3.7 लघुशोध प्रबंध संबंधी उपकरण का निर्माण एवं विवरण

3.8 लघुशोध प्रबंध के प्रदत्तों का प्रशासन एवं संकलन

3.9 प्रदत्तों के संकलन में उत्पन्न कठिनाइयाँ

3.10 प्रस्तुत लघुशोध उपकरण के अंकन की विधि

3.11 प्रयुक्त सांख्यिकीय प्रविधियाँ

चतुर्थः प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या 28–40

4.1 प्रस्तावना

4.2 लिंग के परिप्रेक्ष्य में परिकल्पना का परीक्षण

4.3 विद्यालय प्रकार के परिप्रेक्ष्य में परिकल्पना का परीक्षण

4.4 स्थान के परिप्रेक्ष्य में परिकल्पना का परीक्षण

4.5 अनुभव के परिप्रेंक्ष्य में परिकल्पना का परीक्षण

4.6 शैक्षणिक योग्यता कसये परिप्रेक्ष्य में परिकल्पना का परीक्षण

4.7 व्यावसायिक योग्यता के परिप्रेक्ष्य में परिकल्पना का परीक्षण

पंचमः शोधसार, निष्कर्ष एवं सुझाव 41–47

5.1 प्रस्तावना

5.2 प्रस्तुत अध्ययन

5.3 समस्या कथन

5.4 संक्षेपिका

5.5 शोध का निष्कर्ष एवं व्याख्या

5.6 सुझाव

5.7 भविष्य में शोध हेतु समस्यायें।

संदर्भ ग्रंथ सूची 48

परिशिष्ट

प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों को गणित अध्यायन में आने वाली समस्याओं की प्रश्नावली

तालिका सूची

तालिका क्र.	विवरण	पृष्ठ संख्या
3.4.1	न्यादर्श का विवरण	21
4.2.1	शिक्षक–शिक्षिकाओं की गणित अध्यापन में आने वाली समस्याओं को दर्शानेवाली 'टी' मूल्य की सार्थकता।	29
4.2.2	विद्यालय में गणित अध्यापन की विभिन्न समस्याओं के बारे में शिक्षकों के मध्य 'टी' मूल्य की सार्थकता।	30
4.3.1	शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयीन शिक्षकों को गणित अध्यापन में आने वाली समस्याओं को दर्शाने वाली 'टी' मूल्य की सार्थकता।	31
4.3.2	विद्यालय में गणित अध्यापन की विभिन्न समस्याओं के बारे में विद्यालय प्रकार मध्य 'टी' मान की सार्थकता।	32
4.4.1	ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के विद्यालयों के शिक्षकों को गणित अध्यापन में आने वाली समस्याओं को दर्शाने वाली 'टी' मूल्य की सार्थकर्ता ।	33
4.4.2	विद्यालयों में गणित अध्यापन की विभिन्न समस्याओं के बारे में स्थान के आधार पर 'टी' मान की सार्थकर्ता ।	34
4.5.1	अनुभव के अनुसार कार्यरत शिक्षकों की गणित अध्यापन में आने वाली समस्याओं को दर्शानेवाली 'एफ' मूल्य की सार्थकता।	35
4.5.2	विद्यालयों में गणित अध्यापन की विभिन्न समस्याओं के बारे में शिक्षकों के अनुभव का मध्य 'एफ' मान की सार्थकता।	36
4.6.1	शैक्षणिक योग्यता के अनुसार कार्यरत शिक्षकों को गणित अध्यापन में आने वाली समस्याओं को दर्शानेवाली 'एफ' मूल्य की सार्थकता।	37
4.6.2	विद्यालयों में गणित अध्यापन की विभिन्न समस्याओं के बारे में शिक्षकों की शैक्षणिक योग्यता के मध्य 'एफ' मान की सार्थकता।	38
4.7.1	व्यावसायिक योग्यता के अनुसार कार्यरत शिक्षकों को गणित अध्यापन में आने वाली समस्याओं को दर्शाने वाली 'एफ' मान की सार्थकता।	39
4.7.2	विद्यालयों में गणित अध्यापन की विभिन्न समस्याओं के बारे में शिक्षकों की व्यवसायिक योग्यता का मध्य 'एफ' मान की सार्थकता।	40
5.1	प्रदत्तों के विश्लेषण की तालिका	45